Publication: Lotpot **Date: Saturday, 7th March, 2015**

Edition: New Delhi

हैप्पी इंडिया के लिए बड़े आइडियाज के साथ सामने आये छोटे बच्चे

- इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस का हैप्पी इंडिया अभियान सफल रहा
- देश भर की शीर्ष 25 टीमों ने राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने आइडियाज प्रस्तुत किये

ये बाल गजदूत के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं, जोकि स्कूल जाने से वंचित है। ये स्कूलों में लड़के–लड़कियों के लिए टॉयलेट ब्लॉक्स बनाने के इच्छुक हैं और झुग्गी–बस्तियों में सफाई को बढ़ावा देने तथा मॉल्स एवं स्थानीय बाजारों में पर्यावरण हितैषी शॉपिंग बैग्स लाने के लिए तत्पर हैं। और, उन्होंने गड्ढे रहित सड़कों को बनाने और सेंसर आधारित डस्टबिन उपलब्ध कराने के लिए नगर निकायों को पाठ भी लिखाये हैं। ये सभी देश के स्कूली बच्चे हैं, जो देश को हैप्पी इंडिया बनाना चाहते हैं। ये भविष्य के मेजमेकर्स हैं और उसी बदलाव को लाना चाहते हैं जिसे वे देखने के इच्छुक हैं।

इंडियाफर्स्ट ने हैप्पी इंडिया के लिए 304 स्कूलों के 11 से 16 वर्ष की आयु के 15,000 से अधिक युवा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने आइडियाज भेजे। निर्णायक मंडल ने 25 फाइनल आइडियाज का चयन किया। इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस 40 दिनों की अवधि में इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में मदद करेगा। कंपनी द्वारा प्रत्येक को 50,000 रुपये का अनुदान दिया जायेगा और उद्योग के कुछ दिग्गज उन्हें परामर्श प्रदान करेंगे।

विद्यार्थियों के कुछ समूह ने अपने आइडियाज पर काम करते हुये पहले ही अपने पायलट लॉन्च किये हैं। उदाहरण के लिए, विजयवाड़ा की स्कूल टीम हैप्पी इंडिया ने शिक्षा के अभाव और आइलैंड गांव पामूला लंका तक पहुंच बनाने को लेकर आवाज उठाई, जोकि मॉनसून में पानी भरने के कारण अन्य इलाकों से कट जाता था। हैप्पी इंडिया टीम ने आइलैंड को सेतु से जोड़ने के लिए जिला परिषद के चेयरमैन को प्रेरित किया और काम समाप्त करने हेतु अतिरिक्त पूंजी के लिए एपी सरकार से गुहार लगाई। इससे गांववासियों की मुख्य क्षेत्रों तक पहुंच होगी और यंग हैप्पी इंडिया टीम वहां जाकर बच्चों के लिए कक्षायें भी चलाने में सक्षम होगी।

भोपाल की टीम स्वच्छ भारत मुहिम चलाने के लिए एक मौलिक आइडिया लेकर आई। टॉयलेट एवं वाश बेसिन की सफाई बरकरार रखने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए टीम द्वारा आठ स्कूलों में बाल पंचायत आयोजित की जाती है।

जयपुर स्कूल की टीम ने लोगों को अपनी आदतों को बदलने तथा प्रयुक्त कपड़ों से बने शॉपिंग बैग्स का इस्तेमाल करने की तत्परता दिखाई। विद्यार्थियों की शॉपिंग मॉल्स में बैग्स को बेचने तथा उन्हें पार्किंग कूपन देने की योजना है। प्रणेताओं के रूप में, उन्होंने विभिन्न नाटकों और रोड शोज के माध्यम से प्लास्टिक बैग्स के इस्तेमाल के खतरों को लेकर जागरुकता फैलाई तथा 400 से अधिक परिवारों को प्रेरित किया।

मासिक स्कूल की टीम ने महिला भ्रूण जांचने से रोकने दिखाई और लड़कियों के लिए आत्मरक्षा की कक्षायें भी चलाई। फ्यूल बचत करने की मुहिम पर फोकस करने के लिए, हैदराबाद की टीम ने सौर उपकरणों के इस्तेमाल का प्रचार करने का सुझाव दिया।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General Andhra Bank